

● सुनो और गाओ :

२. बाली यह धान की

- डॉ. हनुमंत नायडू

जन्म : ७ अप्रैल १९३३, मृत्यु : २६ फरवरी १९९८ रचनाएँ : जलता हुआ सफर, मेरी गजल, मशाल, नीला अंबर साथी मेरा आदि...

परिचय : आप गजलकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

प्रस्तुत कविता में खेती का महत्त्व और किसान के श्रम को अनमोल बताया गया है।

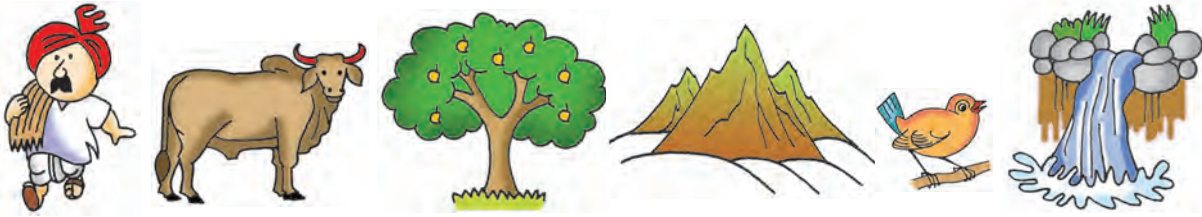


स्वयं अध्ययन

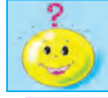


(१) नीचे दिए गए चित्रों की सहायता से प्राकृतिक सुंदरता दर्शाने वाला एक चित्र बनाकर उसमें रंग भरें।

(२) अपने चित्र के बारे में बोलें।



□ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता पाठ करें। विद्यार्थियों से व्यक्तिगत तथा गुट में सस्वर पाठ कराएँ। कविता में धान की बाली का किसान की बेटा के रूप में प्रतीकात्मक वर्णन किया गया है। खेती की आवश्यकता बताते हुए किसान के कार्य पर चर्चा करें।



जरा सोचो बताओ

यदि प्रकृति में सुंदर - सुंदर रंग नहीं होते तो

पेड़ों पर पंछी हैं,
मेड़ों पर शोर है ।
वंशी की तान लिए,
आती हर भोर है ॥



श्रम का यह मोती है,
मेहनत की जीत है ।
फसलों के आँचल से,
झरता यह गीत है ॥

सखियों-सी गाती हैं,
किरणें विहान की ।
खेतों में झूम रही,
बाली यह धान की ॥

मेहनत ही पूँजी है,
जग में इन्सान की ।
खेतों में झूम रही,
बाली यह धान की ॥



मैंने समझा



शब्द वाटिका

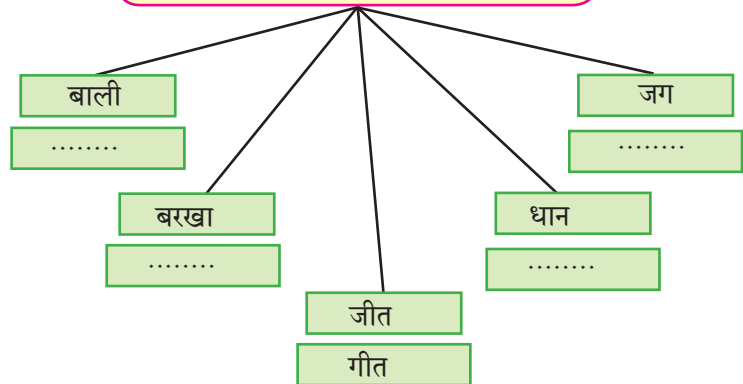
नए शब्द

वितान = विस्तार, आकाश
मेड़ = खेत के चारों ओर मिट्टी का बनाया
हुआ घेरा
वंशी = बाँसुरी
तान = सुर
भोर = प्रातःकाल
आँचल = साड़ी का पल्लू

भाषा की ओर



दिए गए शब्दों के लययुक्त शब्द लिखो ।



❑ प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अकाल आदि) से बचाव के उपाय बताएँ और विद्यार्थियों से कहलवाएँ। अन्य कविता सुनाएँ, दोहरवाएँ, इसमें सभी को सहभागी करें। प्रकृति के संतुलन एवं संवर्धन संबंधी जानकारी दें, प्रत्येक के अपने सहयोग पर चर्चा करें।

❑ कृति/प्रश्न हेतु अध्यापन संकेत - प्रत्येक कृति/प्रश्न को शीर्षक के साथ दिया गया है। दिए गए प्रत्येक कृति/प्रश्न के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध करें। क्षमताओं और कौशलों के आधार पर इन्हें विद्यार्थियों से हल करवाएँ। आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अन्य शिक्षकों की भी सहायता प्राप्त करें। 'दो शब्द' में दी गई सूचनाओं का पालन करें।



खोजबीन

कृषि के आधुनिक उपकरणों की जानकारी प्राप्त करो और लिखो ।



सुनो तो जरा

त्योहार संबंधी कोई एक गीत सुनो और दोहराओ ।



बताओ तो सही

‘शालेय स्वच्छता अभियान’ में तुम्हारा सहयोग बताओ ।



वाचन जगत से

कविवर सुमित्रानंदन पंत की कविता का मुखर वाचन करो ।



मेरी कलम से

सप्ताह में एक दिन किसी कविता का सुलेखन करो ।

* रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

१. बूँदों ने दिया ।
३. नीले की ।

२. पेड़ों पर हैं ।
४. झरता यह है ।



सदैव ध्यान में रखो

प्लास्टिक, थर्माकोल आदि प्रदूषण बढ़ाने वाले घटकों का उपयोग हानिकारक है ।



विचार मंथन

जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान ।



अध्ययन कौशल

बोआई से मंडी तक की प्रक्रियाओं के बारे में बताओ ।



* दर्पण में देखकर पढ़ो ।

पहचानो हमें

